

अनिल कुमार

इतिहास विभाग, आर०बी०जी०आर० कॉलेज
महाराजगंज (खिवान)

“लार्ड डलहौजी के सुधार” (Reform of Lord Dalhousie) (शेष भाग)

जिससे भारत का आर्थिक आषण हुआ। और भारतीयों की आर्थिक दशा निरंतर साँचनीय होती गयी।

सिंचाई व्यवस्था :- लार्ड डलहौजी ने सिंचाई के साधनों में वृद्धि पर भी ध्यान दिया। इस पुरानी नहरों को फिर से प्ररमत करायी और कई नयी नहरों का निर्माण प्रारंभ हुआ। गंगा की नहर जिसका निर्माण 1830 में हुआ था, डलहौजी के शासनकाल में ही पूरा हुआ। पंजाब में नहरों का निर्माण डलहौजी की प्रेरणा से ही आरंभ हुआ था। इन योजनाओं से किसानों को बड़ा लाभ हुआ।

1853 का चार्टर एक्ट :- 1853 में 20 वर्ष पुरा हो जाने पर ब्रिटिश पार्लियामेंट ने पुनः एक नवीन चार्टर कंपनी के लिए निर्मित किया। 1853 के चार्टर एक्ट के अनुसार गवर्नर जनरल को कानूनों के प्रस्तावों को रद्द करने का अधिकार प्राप्त हुआ। कंपनी के डायरेक्टर्स की संख्या 24 से घटाकर 18 कर दी गयी। उनमें से 6 डायरेक्टर्स सम्राट द्वारा मनोनित होते थे। कंपनी के कर्मचारियों की नियुक्ति का अधिकार संचालकों से छिन लिया गया। इसके लिए परीक्षा पास करना अनिवार्य बना दिया गया। बोर्ड ऑफ कंट्रोल (Board of Control) के अध्यक्ष को मंत्रीमंडल का सदस्य बना दिया गया तथा उसके अधिकारों में वृद्धि कर दी गयी। इस बार वर्ष की अवधि को घटाकर यह नियम बताया गया था कि कंपनी को भारत का शासन तब तक चलाने का

अधिकार है जबतक पार्लियामेंट यह अधिकार अपने हाथ में न ले ले। इस प्रकार कंपनी पर पार्लियामेंट का अधिकार अधिक बढ़ गया।

निष्कर्ष के तौर पर यह कहा जा सकता है कि उलहौजी में केवल विज्ञान के ही गुण मौजूद नहीं थे बल्कि वह एक कुशल निर्माता और आशक भी था भारत में उसने जो भी सुधार किये उनके कारण उसका आधुनिक भारत निर्माता माना जा सकता है। ये सारी सुधार इतने क्रान्तिकारी थे कि भारत-वासी इसमें संशयित ही ठहरे और वे सोचने लगे कि उन सुचारों के द्वारा उनके जमीन में हस्तक्षेप किया जा रहा है। लेकिन कुछ दिनों के बाद हम भारतीयों को उनके सुचारों की उपयोगिता का अनुमान हो सका।